रजिस्ट्री सं. डीएल(एन)-04/0007/2003--05 REGISTERED No. DL(N)-04/0007/2003—05

सत्यमेव जयते

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

साप्ताहिक/WEEKLY

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 51] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 22—दिसम्बर 28, 2012 (पौष 1, 1934)

No. 51] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 22—DECEMBER 28, 2012 (PAUSA 1, 1934)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

पृष्ठ सं.

भाग I—खण्ड-1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं..... 1167

भाग I—खण्ड-2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं..... 1295

भाग I—खण्ड-3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं..... 3

भाग I—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं..... 1881

भाग II—खण्ड-1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम..... *

भाग II—खण्ड-1क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ..... *

भाग II—खण्ड-2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट..... *

भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल है)..... *

भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं..... *

भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिसमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)..... *

भाग II—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश..... *

भाग III—खण्ड-1—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं..... 1907

भाग III—खण्ड-2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेन्टों और डिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं और नोटिस *

भाग III—खण्ड-3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं..... *

भाग III—खण्ड-4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं..... 12897

भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस..... 1051

भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दर्शाने वाला सम्पूरक..... *

*आंकड़े प्राप्त नहीं हुए।

CONTENTS

	Page No.
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	1167
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	1295
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	3
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	1881
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	*
PART II—SECTION 1A—Authoritative texts in Hindi language, of Acts, Ordinances and Regulations	*
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministry of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	1907
PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	*
PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	*
PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	12897
PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	1051
PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*

*Folios not received.

भाग I — खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

[(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं]

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 अगस्त 2012

सं. 180-प्रेज/2012--राष्ट्रपति निम्नलिखित व्यक्तियों को साहसपूर्ण कार्यों के लिए 'शौर्य चक्र' पुरस्कार प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं :--

1. आईसी-56887एक्स लेफ्टिनेंट कर्नल ध्रुवज्योति चंदा, 13वीं बटालियन द सिख रेजिमेंट

(पुरस्कार देने की प्रभावी तारीख : 19 फरवरी 2011)

19 फरवरी 2011 को 03.00 बजे लेफ्टिनेंट कर्नल ध्रुवज्योति चंदा के नेतृत्व वाली एक गश्त पार्टी ने असम के गोवालपाड़ा जिले में आतंकवादियों के एक समूह की गतिविधि के बारे में पता लगाया। अधिकारी ने हलचल का पता लगाया और साथ ही साथ इस आतंकवादी हलचल पर गश्त को पुन:समायोजित किया तथा सुव्यवस्थित घात लगाने की जमीन तैयार की। उत्कृष्ट फील्ड क्राफ्ट तथा कड़े फायर अनुशासन का प्रदर्शन करते हुए उन्होंने आतंकवादियों को मारक क्षेत्र में घुसने को मजबूर किया और उनको चुनौती दी। जब आतंकवादियों ने उनकी टीम के सदस्य को निशाना बनाकर फायर किया तो उन्होंने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न करते हुए प्रभावपूर्ण गोलीबारी की और दो आतंकवादियों को घटनास्थल पर ही मार गिराया और अपने साथियों की जान बचाई। गंभीर खतरे की स्थिति में उनके अनुकरणीय साहस और नेतृत्व की बदौलत तीन खूंखार आतंकवादियों को मार गिराया गया जबकि उनके अपने सैनिको को कोई नुकसान नहीं हुआ।

लेफ्टिनेंट कर्नल ध्रुवज्योति चंदा ने आतंकवादियों के साथ संग्राम में उत्कृष्ट नेतृत्व, कुशाग्रता तथा अविश्वसनीय साहस का प्रदर्शन किया।

2. **आईसी-72377ए लेफ्टिनेंट सत्यजीत अहलावत, सेना आयुद्ध कोर/9वीं बटालियन द सिख लाइट इन्फैंट्री**

(पुरस्कार देने की प्रभावी तारीख: 18 जून, 2011)

मेघालय के पूर्वी गारो पहाड़ियों के सामान्य क्षेत्र में 18 जून, 2011 को आतंकवादियों के एक समूह की हलचल के संबंध में विनिर्दिष्ट सूचना प्राप्त हुई थी। इस सूचना के आधार पर लेफ्टिनेंट सत्यजीत अहलावत के नेतृत्व वाली एक टीम ने 18 जून, 2011 को 01.15 बजे सामान्य क्षेत्र गरीसिमरन में एक खोजी अभियान शुरू किया। उस आतंकवादी समूह ने टीम पर अंधाधुंध फायर शुरू कर दिया। टीम के कमांडर ने समस्त क्षेत्र की घेराबंदी की और आतंकवादियों को समर्पण करने की चेतावनी दी। आतंकवादियों

ने आत्मसमर्पण करने की बजाय वहां से भागने के लिए उन पर लगातार फायरिंग जारी रखी। लेफ्टिनेंट सत्यजीत अहलावत ने स्थिति का बड़ी तेजी से आकलन किया और उनको बगल से भागने से रोकने के लिए उनको मारने का निर्णय लिया। इस अधिकारी ने धैर्य और कुशाग्रता का परिचय देते हुए दो आतंकवादियों को निशाना बनाया और रेंगते हुए उन पर फायर शुरू कर दिया जिसके परिणामस्वरूप 04.00 बजे दो आतंकवादियों का सफाया हो गया। मारे गए आतंकवादियों की पहचान उत्तर पूर्वी क्षेत्र में काम कर रहे एक आतंकवादी समूह के महासचिव के रूप में तथा उसके गनमैन के रूप में की गई जो मेघालय पुलिस तथा अर्धसैनिक बलों के खिलाफ घात लगाकर हमला करने में शामिल थे।

लेफ्टिनेंट सत्यजीत अहलावत ने आतंकवादियों के खिलाफ संग्राम में अविश्वसनीय साहस और नेतृत्व का प्रदर्शन किया।

3. आईसी-59849एम मेजर टी.एन. उन्नीकृष्णन, 15वीं बटालियन द डोगरा रेजीमेंट

(पुरस्कार देने की प्रभावी तारीख: 21 जून 2011)

मेजर टी.एन. उन्नीकृष्णन ने 21 जून 2011 को असम के कोकराझार जिले के सामान्य क्षेत्र में चार आतंकवादियों की उपस्थिति के बारे में विश्वसनीय सूचना प्राप्त होने पर पुलिस के साथ मिलकर एक संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया। लगभग 16.45 बजे उनकी टीम ने चार सशस्त्र व्यक्तियों की संदिग्ध गतिविधि को देखा। संदिग्ध आतंकवादियों को चुनौती देने पर उन्होंने घात पार्टी पर गोली चलाना शुरू कर दिया। इस अधिकारी ने अपने साथियों के साथ मिलकर जवाबी हमला बोला और विवेकशीलता और साहस का प्रदर्शन करते हुए दो आतंकवादियों को घटनास्थल पर ही मार गिराया। तथापि, दो अन्य आतंकवादी वहां से भाग निकलने में सफल हुए। इस अधिकारी ने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा को दरकिनार करते हुए घने जंगल में बच कर भागे हुए आतंकवादियों को खोजने का निर्णय लिया। क्षेत्र की घेराबंदी की गई और खोज करते हुए घनी झाड़ी में कुछ संदिग्ध गतिविधि का पता चला। उनकी घेराबंदी होने पर जब आतंकवादियों ने फायर शुरू कर दिया तो अधिकारी ने युद्धकौशल का परिचय देते हुए अपने साथियों के साथ जवाबी हमला किया तथा एक और आतंकवादी को मारा गया।

मेजर टी.एन. उन्नीकृष्णन ने आतंकवादियों से लड़ते हुए युद्धस्थिति में निर्भीकता, धीरता तथा अनुकरणीय साहस का प्रदर्शन किया।

4. आईसी-67215एल मेजर सौरभ सुयाल, सेना मेडल बार, कवचित कोर/22वीं बटालियन द राष्ट्रीय राइफल

(पुरस्कार देने की प्रभावी तारीख: 13 सितम्बर 2011)

मेजर सौरभ सुयाल को 13 सितम्बर 2011 को जम्मू एवं कश्मीर के सोपोर जिले के सामान्य क्षेत्र में आतंकवादियों की उपस्थिति के बारे में सूचना प्राप्त हुई। अधिकारी ने

अपनी टीम के साथ मिलकर पेशेवर तरीके से शीघ्रतापूर्वक प्रभावशाली घेराबंदी की। एक आतंकवादी ने यह अहसास होने पर कि उसके खिलाफ जाल बिछाया जा रहा है, घेराबंदी तोड़ने का प्रयास किया जब कि लक्षित क्षेत्र से सिविलियनों को निकाला जा रहा था। अधिकारी ने स्थिति को नियंत्रण में लिया और आतंकवादी को भागने से रोकने के लिए उस पर प्रभावकारी फायरिंग की। अधिकारी ने असाधारण साहस का प्रदर्शन करते हुए उस घर में प्रवेश किया जहां आतंकवादी छुपा था और खिड़की से एक स्टन ग्रेनेड दागा। आतंकवादी हथगोला फैंकते हुए बाहर निकला और अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। अधिकारी ने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न करते हुए आतंकवादी पर हमला किया और उसको मार गिराया।

मेजर सौरभ सुयाल ने आतंकवादियों से मुठभेड़ करते हुए अदम्य साहस, उत्कृष्ट बहादुरी तथा अनुकरणीय असाधारण नेतृत्व का प्रदर्शन किया।

5. स्क्वाड्रन लीडर अजीत भास्कर वसाने (27697) उड़ान (पायलट)

(पुरस्कार देने की प्रभावी तारीख: 10 अक्तूबर 2011)

10 अक्तूबर 2011 को स्क्वाड्रन लीडर अजीत भास्कर वसाने को दो वायुयानों वाले एक सुपरसोनिक अभ्यास अंतर्रोधन मिशन का नेतृत्व करने के लिए प्राधिकृत किया गया था। वायुसेना स्टेशन से 85 कि.मी. की दूरी और 9 कि.मी. की ऊंचाई पर वायुयान का हैड-अप-डिस्पले (एच यू डी) खराबी का संकेत देने लगा और थोड़ी देर के बाद यह बंद हो गया। इसके तुरंत बाद एचयूडी के दाहिने भाग से आग निकलने लगी। स्थिति तेजी से बिगड़ने लगी और कॉकपिट में हानिकारक धुंआ भरने लगा। इसके साथ ही शीशे - प्लास्टिक की अन्य सामग्री और एच यू डी के नजदीक के केबल ने तेजी से आग पकड़ ली और विंडशील्ड पर कालिख की मोटी पर्त जमा हो गई, जिससे पायलट को सामने दिखना काफी कम हो गया। स्क्वाड्रन लीडर वसाने ने अपने हाथों से आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन उन्हें यह प्रयास छोड़ना पड़ा क्योंकि पिघले हुए प्लास्टिक से इनके दस्ताने और उंगलियां जलने लगी। तेजी से भड़क रही आग से अपनी जान को बहुत बड़ा खतरा होने पर भी इन्होंने वायुयान की आपातकालीन पुन: प्राप्ति शुरू की। ऐसा करने में इन्होंने असाधारण सूझबूझ तथा उच्चतम कोटि के साहस का परिचय देते हुए हवाई पट्टी के निकट स्थित विभिन्न पेट्रो-केमिकल स्थापनाओं के ऊपर से उड़ान भरने के बजाय इनसे दूर जाने का रास्ता चुना, यद्यपि इस लंबी उड़ान से उनकी जिंदगी खतरे में पड़ गई थी। कॉकपिट की आग और सामने कम होती हुई दृश्यता की परवाह न करते हुए इन्होंने कुशलतापूर्वक खुद को एक आपातकालीन अवतरण के लिए तैयार किया और वायुयान को कोई और क्षति पहुंचाए बगैर निर्बाध रूप से इस काम को अंजाम दिया। अवतरण के बाद इन्होंने कॉकपिट की आग को तेजी से बुझाने में क्रैश कर्मीदल को दिशानिर्देश देकर उनकी मदद भी की।

स्क्वाड्रन लीडर अजीत भास्कर वसाने ने ऐसी अभूतपूर्व गंभीर आपात स्थिति से निपटने में असाधारण साहस, उच्च कोटि के व्यावसायिक गुण और विवेकशीलता का परिचय दिया। उनके वीरतापूर्ण कार्य से न केवल वायुयान की रक्षा हुई बल्कि उस क्षेत्र के

रणनीतिक तौर पर महत्वपूर्ण पेट्रो- केमिकल स्थापनाओं को संभावित गंभीर नुकसान पहुंचने से भी बचाया जा सका।

6. एसएस-40921एच मेजर प्रदीप मिश्रा, जाट रेजिमेंट/5वीं बटालियन द राष्ट्रीय राइफल

(पुरस्कार देने की प्रभावी तारीख: 12 अक्तूबर 2011)

12 अक्तूबर, 2011 को जम्मू एवं कश्मीर के गांदरबल जिले के एक जंगल में तीन खूंखार आतंकवादियों की उपस्थिति की सूचना मिलने पर मेजर प्रदीप मिश्रा सात अन्य रैंकों की अपनी छोटी सी टीम के साथ आगे बढ़े और आतंकवादियों के नजदीक पहुंचे। जैसे ही वह आतंकवादियों के नजदीक पहुंचे तो उन पर भारी गोलीबारी शुरू हो गई। अधिकारी ने जवाबी हमला किया और उनका मुंहतोड़ जवाब दिया। भारी गोलीबारी के दौरान उनकी तरफ भागकर आ रहे एक आतंकवादी को पकड़ लिया गया था। अन्य दो आतंकवादी ने भागने की और ओझिल होने की कोशिश की। भागकर निकले आतंकवादियों का इस टीम द्वारा पीछा किया गया और रास्ते में ही एक आतंकवादी को मार गिराया। अन्य आतंकवादी ने एक प्राकृतिक जगह में छिपने की कोशिश की। अधिकारी उस जगह तक रेंगते हुए गए जहां आतंकवादी छिपा हुआ था और छुपे हुए खूंखार आतंकवादी को नजदीक से मार गिराया।

मेजर प्रदीप मिश्रा ने आतंकवादियों से लड़ते हुए कुशाग्रता, चतुराई तथा असाधारण साहस का प्रदर्शन किया।

7. आईसी-60369पी मेजर हिमांशु पंवार, 26 मराठा लाइट इन्फैंट्री बटालियन

(पुरस्कार देने की प्रभावी तारीख: 16 नवंबर 2011)

मेजर हिमांशु पंवार के नेतृत्व में अरूणाचल प्रदेश के लोहित जिले के एक गांव में 16 नवंबर 2011 की रात को एक घेराबंदी और खोज-अभियान शुरू किया गया था। अधिकारी ने संदिग्ध घर की प्रभावशाली घेराबंदी करने के बाद कुशाग्रता से घर के सभी मासूम सदस्यों को बाहर निकाला। वहां के निवासियों से उस घर में आतंकवादियों की उपस्थिति की पुष्टि होने पर अधिकारी ने उनको आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया। आत्मसमर्पण करने के बजाय आतंकवादियों ने भागने की कोशिश करते हुए उन पर अप्रत्याशित गोलीबारी शुरू कर दी। अधिकारी ने भारी गोलीबारी में निडरतापूर्वक और अपनी खुद की सुरक्षा की परवाह न करते हुए आतंकवादियों पर भारी तथा सटीक गोलीबारी की जिसके परिणामस्वरूप घटनास्थल पर ही दो आतंकवादी मारे गए।

मेजर हिमांशु पंवार ने आतंकवादियों से लड़ते हुए अदम्य साहस, उत्कृष्ट नेतृत्व तथा कर्तव्य के प्रति समर्पण का प्रदर्शन किया।

8. श्री नगेन्द्र सिंह, सहायक कमाण्डेंट, कमाण्डेंट कार्यालय-207, कोबरा जी सी, सीआरपीएफ, दुर्गापुर-14 (पश्चिम बंगाल)

और

9. श्री विनोज पी.जोसफ, सहायक कमाण्डेंट, कमाण्डेंट कार्यालय -207, कोबरा जी सी, सीआरपीएफ, दुर्गापुर-14 (पश्चिम बंगाल)

(पुरस्कार देने की प्रभावी तारीख: 24 नवंबर 2011)

24.11.2011 को झारग्राम से लगभग 13 कि.मी. दूर बुरीसोल गांव के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के जंगल में 5-7 सशस्त्र माओवादियों की गतिविधि के बारे में पश्चिम मिदनापुर के पुलिस अधीक्षक से प्राप्त सूचना के अनुसरण में एक संयुक्त अभियान की योजना बनाई गई थी । दो टीमों को विभिन्न स्थानों पर छोड़ा गया और जो लक्षित क्षेत्र की तरफ बढ़े तथा लगभग 1600 बजे वे अपने आरवी पर पहुंचे। दो कोबरा टीमों के कार्मिकों से बनायी गई एक छोटी सी जांच टीम जैसे ही लक्षित क्षेत्र की तरफ बढ़ी तो उन पर माओवादियों द्वारा भारी गोलीबारी शुरू कर दी गई जिससे इन कार्मिकों की जिंदगी संकट में पड़ गई।

कोबरा के दो बहादुर कमांडरों, श्री नगेन्द्र सिंह और श्री विनोज पी.जोसफ ने अपनी खुद की सुरक्षा की परवाह न करते हुए, जिस तरफ से गोलीबारी हो रही थी उसी तरफ आगे बढ़ने का निर्णय लिया। आगे बढ़ते हुए शुरूआत में ही श्री नगेन्द्र सिंह को एक ग्रेनेड स्पीलिंटर लगा और वे घायल हो गए जबकि विनोज पी.जोसफ को भी कई गोलियां छूती हुई निकल गई। इसके बावजूद वे पारस्परिक रूप से आगे बढ़ने के दृढ़ निश्चय के साथ निर्देश देते रहे और शत्रुओं के 10-15 मीटर के दायरे में पहुंच गए। दोनों अधिकारियों और माओवादियों के बीच भयंकर गोलीबारी हुई। दो कमांडरों द्वारा पांच कार्मिकों की टीम से अचानक और अप्रत्याशित जवाबी हमले से न केवल अन्य सदस्यों को चोटग्रस्त तथा हताहत होने से बचाया गया बल्कि माओवादियों के छक्के छुड़ा दिये। गोलीबारी बंद होने के बाद समूचे क्षेत्र की गहन तलाशी की गई जिसमें एक मृत शरीर पाया गया जिसके हाथों में एक एके-47 थी। मृतक की पहचान बाद में माओवादी कोटेश्वर राव उर्फ किशनजी के रूप में हुई।

श्री नगेन्द्र सिंह और श्री विनोज पी.जोसफ, 207 कोबरा के सहायक कमांडेंटों ने माओवादियों के खिलाफ अभियान में असाधारण साहस, प्रेरणादायी नेतृत्व तथा मजबूत आत्मबल का परिचय दिया।

10. विंग कमांडर वत्सल कुमार सिंह (24223) उड़ान (पायलट)

(पुरस्कार देने की प्रभावी तारीख: 19 दिसंबर 2011)

19 दिसंबर 2011 को विंग कमांडर वत्सल कुमार सिंह को छत्तीसगढ़ के घने जंगल और अत्यधिक नक्सल प्रभावित क्षेत्र में एक मिशन के दौरान नंबर 3 हेलीकॉप्टर के मुख्य चालक के तौर पर 120 कोबरा कमांडों को इच्छित स्थल पर उतारने की जिम्मेदारी

सौंपी गई थी। लैंडिंग स्थल पर लंबे पेड़ों से घिरे जंगल में एक छोटी सी खाली जगह उपलब्ध थी और यहां लैंडिंग-तल काफी ऊबड़-खाबड़ था, जिससे यह कार्य और भी दुष्कर हो गया। जब वे सत्रह व्यक्तियों को लेकर तीसरी उड़ान लगा रहे थे, तब बाईं ओर से वायुयान के निचले भाग में स्वचालित हथियारों से इनके हेलीकॉप्टर पर गोलीबारी की गई। गोली चलने की संभावित दिशा से तुरंत वापस मुड़ते हुए ये हेलीकॉप्टर को ऊंचाई पर ले गए। वायुयान के सभी पैरामीटरों का सामान्य होना सुनिश्चित कर लेने के बाद इन्होंने अपने संचालन स्थान पर वापस लौटने का फैसला किया। बाद में वायुयान में काफी तेज कंपन होने लगा और समूचे कार्गो उपकक्ष में जले हुए विस्फोटक की गंध भर गई। काफी तेज कंपन से यह सुनिश्चित करना अत्यंत चुनौतीपूर्ण हो गया कि हेलीकॉप्टर नियंत्रण से बाहर न जाए।

विंग कमांडर वत्सल कुमार सिंह ने अपना धैर्य बनाए रखा और अपने श्रेष्ठ उड़ान कौशल के साथ हेलीकॉप्टर को नियंत्रित किया। इन्होंने इसकी गति कम की और कंपन को न्यूनतम स्तर पर पहुंचाया तथा इंजन के महत्वपूर्ण पैरामीटरों पर बारीकी से नजर रखी। चालीस मिनट के लंबे और कठिन समय के बाद बड़ी कुशलता से इन्होंने सत्रह व्यक्तियों और

अपने हेलीकॉप्टर को सुरक्षित उतारा। उड़ान के बाद के निरीक्षण में पता चला कि हेलीकॉप्टर के महत्वपूर्ण पुर्जों के आसपास से नौ गोलियां कई जगहों से घुसी और निकली हैं। विंग कमांडर वत्सल कुमार सिंह ने प्रतिकूल परिस्थितियों में अदम्य साहस, प्रेरणापद नेतृत्व कौशल और धैर्य का असाधारण परिचय दिया।

11. <u>फ्लाइट लेफ्टिनेंट गुणज्ञ रमेश खर्चे (29037) उड़ान (पायलट)</u>

(पुरस्कार देने की प्रभावी तारीख: 06 फरवरी 2012)

06 फरवरी, 2012 को फ्लाइट लेफ्टिनेंट गुणज्ञ रमेश खर्चे को एक एन-32 वायुयान पर कम ऊंचाई वाली एक मार्गनिर्देशन उड़ान के लिए मुख्य चालक के तौर पर तैनात किया गया था। वायुयान वापिस ले आने की प्रक्रिया को अंजाम देते हुए जब पहियों को नीचे किया गया तो दाहिना और सामने वाले पहिये तो ठीक तरह से नीचे आ गए, लेकिन बायां पहिया सामान्य तरीकों से नीचे नहीं किया जा सका। यहां तक कि बांये पहिये को नीचे करने के आपातकालीन तरीकों से भी कोई नतीजा नहीं निकला। इस वायुयान पर मुख्य चालक के रूप में अपने सीमित अनुभव के बावजूद इस गंभीर आपात स्थिति में फ्लाइट लेफ्टिनेंट खर्चे ने अपना आत्मनियंत्रण बनाए रखा और दाहिने पहिए तथा सामने वाले पहिए पर एक आपातकालीन अवतरण कराने का फैसला लिया। इन्होंने इस गंभीर स्थिति का पूरा अंदाजा लगाया और यह सुनिश्चित किया कि ऐसी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए उपलब्ध सभी कर्मीदल संसाधनों को बेहतरीन व्यावसायिक तरीके से काम में लाया जा सके। इसके बाद फ्लाइट लेफ्टिनेंट खर्चे ने केवल दाहिने पहिए और सामने वाले पहिए के साथ एक सुरक्षित आपातकालीन अवतरण

किया। उन्होंने वायुयान के अवतरण को बहुत ही साहसी तरीके से नियंत्रित किया और इससे वायुयान को कम से कम नुकसान पहुंचा। वायुयान के रनवे से बाहर चले जाने के बाद इसमें सवार कार्मिकों को बाहर निकालने का काम इनकी निगरानी में बड़ी कुशलता से किया गया।

फ्लाइट लेफ्टिनेंट गुणज्ञ रमेश खर्चे ने ऐसी गंभीर आपातस्थिति से निपटने के दौरान असाधारण साहस और आला दर्जे की व्यावसायिकता का प्रदर्शन किया। इनकी कार्रवाई से न केवल वायुयान में सवार कार्मिकों की जान बची बल्कि वायुयान को भी कम से कम नुकसान के साथ बचा लिया गया।

12. आईसी-66537वाई मेजर विजयेन्द्र सिंह यादव ब्रिगेड ऑफ द गार्ड्स/21वीं बटालियन द राष्ट्रीय राइफल

(पुरस्कार देने की प्रभावी तारीख: 28 मार्च, 2012)

प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर तथा अधिकारियों के व्यक्तिगत अनुग्रह द्वारा पुष्टि किए जाने पर उत्तरी कश्मीर में तीन महीनों से एक आतंकवादी समूह का खूंखार आतंकवादी का पता लगाने के लिए, मेजर विजयेंद्र सिंह यादव ने 28 मार्च 2012 को जम्मू व कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में स्थित एक जंगल में छिपे हुए आतंकवादियों का भंडाफोड़ करने के लिए व्यक्तिगत रूप से आपॅरेशन की अगुवाई की। उनके छिपने के स्थान पर आगे बढ़ते हुए उन्होंने स्वचालित हथियारों से भारी गोलीबारी की। अपने व्यक्तिगत सुरक्षा का ध्यान न करके, अपनी स्थिति को फिर से संभाला तथा भीषण गोलीबारी में 10 मीटर तक रेंगते हुए आगे बढ़े एवं बहुत कम दूरी से आतंकवादी को तटस्थ कर दिया। अपने साथी के जीवन को खतरे में पड़ा देखकर, जो दूसरे आतंकवादी द्वारा की जा रही भीषण गोलीबारी में घिरा था, उन्होंने दृढ़ निश्चय से उसे घेर लिया तथा 5 मीटर की दूरी पर आतंकवादी को मार गिराया। अधिकारी ने अपनी कार्यकुशलता से अपने दल द्वारा तीसरे आतंकवादी को मारने को क़ारगर बनाया।

मेजर विजयेन्द्र सिंह द्वारा प्रदर्शित उत्कृष्ट वीरता ने जंगल के किनारे स्थित घर में छिपे हुए दो आतंकवादियों का सफाया करने में उनकी इकाई को प्रेरणा प्रदान की।

मेजर विजयेन्द्र सिंह यादव ने आतंकवादियों से लड़ते हुए अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता, लक्ष्यभावना तथा अदम्य साहस एवं वीरता का परिचय दिया।

13. 15126119एच हवलदार चरणजीत सिंह, तोपखाना रेजिमेंट/30 वीं बटालियन द राष्ट्रीय राइफल

(पुरस्कार देने की प्रभावी तारीख: 05 अप्रैल, 2012)

05 अप्रैल, 2012 को जम्मू व कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में स्थित जंगल में आतंकवादी के छुपने के स्थान पर धावे के दौरान हवलदार चरणजीत सिंह, संतरी शान्तिदल कमांडर के रूप में अपने साथियों के साथ गुप्त रूप से छुपने के स्थान की

तरफ आगे बढ़े। हवलदार चरणजीत सिंह ने देखा कि दो आतंकवादी संतरी की ड्यूटी पर है। व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बगैर उन्होंने 5 मीटर की दूरी से रेंगते हुए आतंकवादी के पास पहुंचकर गोली दाग दी। घायल आतंकवादी ने स्वचालित आग्नेयास्त्र से उसके साथी को छलनी कर दिया। अपने साथी की जान को खतरे में जानकर, हवलदार चरणजीत सिंह कूदकर अपने मोर्चे से बाहर आए और घायल आतंकवादी पर गोलियों की बरसात कर दी। आमने-सामने की गोलीबारी में हवलदार चरणजीत सिंह ने अतुलनीय तथा अत्यंत निर्भीकता से तत्क्षण ही आतंकी को मार गिराया। तत्काल ही दूसरे आतंकवादी की तरफ से की जा रही भीषण गोलीबारी में घिरने के बाद हवलदार चरणजीत सिंह ने शांति तथा तत्क्षण बुद्धि कायम रखते हुए अपनी बंदूक से घटनास्थल पर ही दूसरे आतंकवादी को मार गिराया। आतंकी संतरी को निष्क्रिय करने के परिणामस्वरूप धावे के दौरान पाँच खूंखार विदेशी आतंकवादियों को मार गिराया गया।

हवलदार चरणजीत सिंह ने आतंकवादियों के साथ लड़ाई में असाधारण नेतृत्व, अदम्य साहस का परिचय दिया।

14. <u>आईसी -58687ए मेजर अमित मोहिंद्रा, 666 सेना विमानन स्क्वाड्रन (टोही तथा निरीक्षण)</u>

(पुरस्कार देने की प्रभावी तारीख: 23 मई, 2012)

23 मई, 2012 को 11.00 बजे मेजर अमित मोहिंद्रा ने कैप्टन के रूप में एक वायु अनुरक्षण मिशन में जम्मू व कश्मीर के लेह जिले में सियाचिन ग्लेशियर की जमी हुई सीमान्त सरहद पर 18,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित वायु अनुरक्षित चौकी पर तैनात सैन्य दल की सहायता के लिए उड़ान भरी। उन्होंने चीता हेलीकॉप्टर उड़ाने के दौरान ऐसे प्रतिकूल वातावरण में अत्यधिक बार चक्कर लगाते हुए भी शरीर के शिथिल पड़ जाने के बावजूद भी संपूर्ण नियंत्रण करते हुए सफलतापूर्वक उस चौकी पर अत्यावश्यक संभारिकी आपूर्तियां पहुंचाई।

इस अधिकारी को दृढ़ संकल्प के साथ राष्ट्रीय सरहद की सुरक्षा में तैनात सैन्य दलों की सहायता करने एवं सफलता पूर्वक मिशन को पूरा करने के बाद वापसी के समय हेलिकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण गम्भीर चोटें आईं। ऐसा करते हुए उन्होंने अत्यधिक बहादुरी, हिम्मत, साहस, सर्वश्रेष्ठ वीरता, सर्वोच्च किस्म की व्यावसायिकता और कुशलतम उड़ान क्षमताओं का प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने सर्वाधिक कठिन तथा असुविधाजनक क्षेत्र में व्यक्तिगत सुरक्षा की तनिक भी परवाह नहीं की, इस तरह उन्होंने व्यक्ति तथा मशीन और मौसम की विषमताओं की सभी सीमाओं को पार कर दिया।

मेजर अमित मोहिंद्रा ने अत्यंत कठिन तथा विकट क्षेत्र में अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बगैर, अत्यधिक बहादुरी, सर्वोच्च किस्म की व्यावसायिकता तथा कुशल उड़ान दक्षता का परिचय दिया।

15. आईसी-61591एच मेजर चंद्रशेखर सिंह, 666 सेना विमानन स्कवाड्रन (टोही तथा निरीक्षण) (मरणोपरांत)

(पुरस्कार देने की प्रभावी तारीख: 23 मई, 2012)

23 मई, 2012 को 11.00 बजे मेजर चंद्रशेखर सिंह ने एक वायु अनुरक्षण मिशन में जम्मू व कश्मीर के लेह जिले में सियाचिन ग्लेशियर की जमी हुई सीमांत सरहद पर 18000 फीट की ऊंचाई पर स्थित वायु अनुरक्षित चौकी पर तैनात सैन्य दल की सहायता के लिए उड़ान भरी। उन्होंने हेलीकॉप्टर उड़ाने के दौरान ऐसे प्रतिकूल वातावरण में अत्यधिक बार चक्कर लगाते हुए भी शरीर के शिथिल पड़ जाने के बावजूद भी संपूर्ण नियंत्रण करते हुए सफलतापूर्वक उस चौकी पर अत्यावश्यक संभारिकी आपूर्तियां पहुंचाई।

इस अधिकारी को दृढ़ संकल्प के साथ राष्ट्रीय सरहद की सुरक्षा में तैनात सैन्य दलों की सहायता करने एवं सफलता पूर्वक मिशन को पूरा करने के बाद वापसी के समय हेलिकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण प्राणघातक चोटें आईं।

विश्व के सर्वाधिक ऊंचाई वाले युद्ध क्षेत्र में तैनात सैनिकों की सहायता के लिए इस अधिकारी ने अपने कर्तव्य की भूमिका का निर्वहन करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। ऐसा करते समय, उन्होंने अत्यधिक बहादुरी, हिम्मत, अडिग साहस, सर्वश्रेष्ठ वीरता, सर्वोच्च किस्म की व्यावसायिकता और कुशलतम उड़ान क्षमताओं का प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने सर्वाधिक कठिन तथा असुविधाजनक क्षेत्र में व्यक्तिगत सुरक्षा की तनिक भी परवाह नहीं की, इस तरह उन्होंने व्यक्ति तथा मशीन और मौसम की विषमताओं की सभी सीमाओं को पार कर दिया।

मेजर चंद्रशेखर सिंह ने अत्यंत कठिन तथा विकट क्षेत्र में अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न करते हुए अत्यधिक बहादुरी, सर्वोच्च किस्म की व्यावसायिकता तथा कुशल उड़ान दक्षता का परिचय दिया और कर्तव्यनिष्ठा से भी ऊपर उठकर सर्वोच्च बलिदान दिया।

(सुरेश यादव)
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

दिनांक 7 दिसम्बर 2012

सं. 181-प्रेज/2012--भारत के राजपत्र के भाग-I, खण्ड-1 में दिनांक 9 मार्च, 1974 को प्रकाशित इस सचिवालय के "सेना मेडल/आर्मी मेडल" पुरसकार से संबंधित दिनांक 27 फरवरी, 1974 की अधिसूचना संख्या 29-प्रेज/74 निम्नलिखित संशोधन किया जाता है :--

क्रम संख्या 105 में

जेसी-60559 सूबेदार लक्ष्मी दत्त पाठक, कुमाऊँ रेजिमेंट के स्थान पर

जेसी-60569 सूबेदार लक्ष्मी दत्त पाठक, कुमाऊँ रेजिमेंट पढ़ा जाए।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

गृह मंत्रालय

अंतर्राज्य परिषद् सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 दिसम्बर 2012

विषय :--अंतर्राज्य परिषद् का पुनर्गठन।

सं. 7/1/2012-आई.एस.सी.--इस सचिवालय की अधिसूचना संख्या 7/1/2012-आई.एस.सी. दिनांक 18 मई 2012 के अधिक्रमण में अंतर्राज्य परिषद् आदेश, 1990 के परंतुक 2 (डी) में निहित शर्तों के अध्यधीन प्रधानमंत्री ने अन्तर्राज्य परिषद् की निम्नलिखित संरचना अनुमोदित की है :--

अध्यक्ष

डॉ. मनमोहन सिंह — प्रधान मंत्री

सदस्य

(i) सभी राज्यों के मुख्यमंत्री

(ii) विधानसभा वाले संघ शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री एवं विधानसभा रहित संघ शासित प्रदेशों के प्रशासक।

(iii) छः केन्द्रीय मंत्री

(a) श्री शरद पवार — कृषि मंत्री एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री

(b) श्री पी. चिदम्बरम — वित्त मंत्री

(c) श्री सुशील कुमार शिंदे — गृह मंत्री

(d) श्री एम. वीरप्पा मोइली — पैट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री

(e) श्री कमल नाथ — शहरी विकास मंत्री

(f) श्री पवन कुमार बंसल — रेल मंत्री

केन्द्रीय मंत्री/राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) स्थायी आमंत्रित सदस्य :

(i) श्री गुलाम नबी आजाद — स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री

(ii) श्री एस जयपाल रेड्डी — वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिक मंत्री

(iii) श्री सी. पी. जोशी — सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री

(iv) श्री ए. के. अलगिरि — रसायन एवं उर्वरक मंत्री

(v) श्री अश्वनी कुमार — विधि एवं न्याय मंत्री

पी. जी. धर चक्रबर्ती
परामर्शी एवं अपर सचिव

मानव संसाधन विकास मंत्रालय
(उच्चतर शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर 2012

संकल्प

विषय :-- अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और नि:शक्तजनों की शिक्षा हेतु राष्ट्रीय निगरानी समिति का गठन।

सं. 9-6/2012-एससी/एसटी--इस मंत्रालय के दिनांक 21 जून, 2012 के समसंख्यक संकल्प के आंशिक संशोधन में उल्लिखित राष्ट्रीय निगरानी समिति के सदस्यों के रूप में श्री ई. अहमद और डॉ. पुरंदेश्वरी के नाम के स्थान पर डॉ. शशि थरूर और श्री जितिन प्रसाद, मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री का नाम पढ़ा जाए।

आदेश

यह आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति समिति के अध्यक्ष और अन्य सदस्यों को प्रेषित की जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प आम सूचना हेतु भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

आर. सी. मीणा
आर्थिक सलाहकार

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi the 15th August 2012

No. 180-Pres/2012 – The President is pleased to approve the award of the **"Shaurya Chakra"** to the under mentioned persons for the acts of gallantry:-

1. **IC-56887X LIEUTENANT COLONEL DHRUVJYOTI CHANDA, 13TH BATTALION THE SIKH REGIMENT**

(Effective date of the award: 19 February 2011)

On 19 February 2011 at 0300 hours movement of a group of terrorists was detected by a patrol led by Lieutenant Colonel Dhruvjyoti Chanda at Goalpara district of Assam. The officer tracked the movement, simultaneously readjusted the patrol while on the move and laid a well sited opportunity ambush. Displaying excellent field craft and strict fire discipline, he allowed the terrorists to enter killing area and challenged them. When the terrorists opened fire hitting a member of his team, the officer, with utter disregard to his personal safety, got up and opened effective fire killing two terrorists on the spot and saving his comrades. His exemplary courage and leadership in face of grave danger resulted in elimination of three hardcore terrorists with no casualties to own troops.

Lieutenant Colonel Dhruvjyoti Chanda displayed outstanding leadership, tactical acumen and exceptional gallantry in the fight against terrorists.

2. **IC-72377A LIEUTENANT SATYA JEET AHLAWAT, ARMY ORDNANCE CORPS / 9TH BATTALION THE SIKH LIGHT INFANTRY**

(Effective date of the award: 18 June 2011)

On 18 June 2011, specific information was received regarding move of a group of militants in General area of East Garo Hills district of Meghalaya. Based on this input, a party led by Lieutenant Satya Jeet Ahlawat launched a search operation in General area Garisimram at 0115 hours on 18 June 2011. A group of militants opened fire indiscriminately on the party. Party commander cordoned the entire area and warned the militants to surrender. The militants

instead of surrender continued firing in order to flee from the scene. Lieutenant Ahlawat made quick assessment and decided to eliminate them by cutting off their escape from a flank. Spotting the two militants, the officer showing presence of mind and tactical acumen crawled and closed in, firing on them resulting in elimination of two dreaded militants at 0400 hours. The slain militants were identified as General Secretary of a terrorist group operating in the North East region and his Gunman who were involved in Ambush against Meghalaya Police and Paramilitary Forces.

Lieutenant Satya Jeet Ahlawat displayed exceptional gallantry and leadership in fighting the militants.

3. **IC-59849M MAJOR TN UNNIKRISHNAN, 15TH BATTALION THE DOGRA REGIMENT**

(Effective date of the award: 21 June 2011)

On 21 June 2011 Major TN Unnikrishnan, on receipt of reliable information about presence of four militants in general area of Kokrajhar district of Assam, launched a joint operation with the police. At approx 1645 hours his party noticed suspicious movement of four armed persons. On being challenged suspected militants opened fire on ambush party. The officer alongwith his buddy retaliated and displaying presence of mind and courage killed two militants on the spot. However, two other militants managed to break contact. Ignoring his personal safety the officer decided to search for the escaped militants in the dense forest. The area was cordoned and in the ensuing search, some suspicious movement was observed in thick foliage. When the militants opened fire on being cornered, displaying skilled battle craft the officer and his buddy retaliated and neutralised one more militant.

Major TN Unnikrishnan displayed undaunted spirit, fortitude and exemplary courage in the face of hostility in fighting the militants.

4. **IC-67215L MAJOR SAURABH SUYAL, BAR TO SENA MEDAL, ARMOURED CORPS / 22ND BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES**

(Effective date of the award: 13 September 2011)

On 13 September 2011, Major Saurabh Suyal received information about presence of terrorists in a general area of Sopor district, Jammu & Kashmir. The officer with his team established an effective cordon with speed in professional manner. One terrorist, realising he was trapped, attempted to break the cordon while civilians from the target area were being evacuated. The officer took control of the situation and brought down effective fire on the fleeing terrorist to prevent his escape. The officer displaying exceptional courage, dashed into the house where the terrorist was hiding and lobbed a stun grenade from the

window. The terrorist moved out by lobbing a hand grenade and fired indiscriminately. The officer with utter disregard to personal safety charged towards the terrorist and eliminated him.

Major Saurabh Suyal displayed indomitable courage, conspicuous bravery and exhibiting outstanding leadership in fighting the terrorists.

5. **SQUADRON LEADER AJIT BHASKAR VASANE (27697) FLYING (PILOT)**

(Effective date of the award: 10 October 2011)

On 10 October 2011, Squadron Leader Ajit Bhaskar Vasane was detailed to lead a two aircraft Supersonic Practice Intercept mission. At a distance of 85 km from the base and at an altitude of 9 km, the Head-Up Display (HUD) of the aircraft flickered and after a while, went blank. Immediately thereafter, fire emanated from the starboard side of the HUD. The situation deteriorated rapidly with noxious fumes and smoke filling the cockpit. In addition, other glass-plastic material and cables near the HUD quickly caught fire, depositing heavy soot on the windshield, thus severely restricting frontal visibility to the pilot. The pilot tried to douse the fire with his hands, but had to discontinue the attempts as the molten plastic started to burn his gloves and fingers. In these circumstances, he initiated emergency recovery of the aircraft. While doing so, he elected to avoid overflying various petro-chemical installations in the vicinity of the airfield, even though this prolonged flight endangered his life. Notwithstanding the fire in the cockpit and reduced frontal visibility, he skillfully positioned himself for an emergency landing and executed the same in a flawless manner, without any further damage to the aircraft. After landing, he further guided and helped the crash crew in quickly dousing the cockpit fire.

Squadron Leader Ajit Bhaskar Vasane displayed exceptional courage, high standards of professionalism and presence of mind in handling such an unforeseen critical emergency which not only saved the aircraft, but also prevented possible catastrophic damage to the strategically important and vital petro-chemical installations in the area, which are a national asset.

6. **SS-40921H MAJOR PRADEEP MISHRA, JAT REGIMENT / 5TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES**

(Effective date of the award: 12 October 2011)

On 12 October 2011, on receiving information about presence of three hardcore terrorists in a forest in Ganderbal district of Jammu & Kashmir, Major Pradeep Mishra swung into action with his small team of seven Other Ranks and closed on to the terrorists. As he approached the terrorists, he came under heavy fire. The officer responded with retaliatory fire and gave hot pursuit.

During the heavy exchange of fire, one terrorist ran towards the column and was apprehended. Other two terrorists tried to flee and break contact. The fleeing terrorists were pursued by the column and one terrorist was killed in pursuit. Other terrorist tried to enter a natural hideout. The officer crawled upto the place where the terrorist was hiding and shot the dreaded terrorist at close range.

Major Pradeep Mishra displayed tactical acumen, guile and exceptional courage in fighting the terrorists.

7. **IC-60369P MAJOR HIMANSHU PANWAR, 26TH MARATHA LIGHT INFANTRY BATTALION**

(Effective date of the award: 16 November 2011)

A cordon and search operation was launched on the night of 16 November 2011 in a village of Lohit district in Arunachal Pradesh, under Major Himanshu Panwar. The officer after establishing an effective cordon of suspect house tactfully evacuated all innocent members of the house. On confirmation of presence of terrorists in the house from the inmates, the officer ordered them to surrender. Instead of surrendering, the terrorists started indiscriminate fire while trying to escape. Undeterred by heavy firing and unmindful of his own safety, the officer brought down heavy and accurate fire on the terrorists resulting in killing of two terrorists on the spot.

Major Himanshu Panwar displayed conspicuous gallantry, exemplary leadership, and dedication to duty in fighting the terrorists.

8. **SHRI NAGENDRA SINGH, ASSISTANT COMMANDANT, OFFICE OF THE COMMANDANT-207, CoBRA at GC, CRPF, DURGAPUR-14(WB)**

&

9. **SHRI VINOJ P. JOSEPH, ASSISTANT COMMANDANT, OFFICE OF THE COMMANDANT-207, CoBRA at GC, CRPF, DURGAPUR-14(WB)**

(Effective date of the award: 24 November 2011)

On 24/11/2011, in pursuance of information received from Superintendent of Police Paschim Midnapur, regarding movement of 5-7 armed Maoists in the jungle area north-east of village Burisole, about 13 Kms from Jhargram, a joint operation was planned. Two teams were dropped at different points. They moved towards target area and reached their RV at about 1600 hrs. As a small probing team consisting of personnel from the two CoBRA teams, inched towards the target area, it came under a volley of fire by the Maoists which clearly put the force personnel in a perilously risky position.

The two brave commanders of the CoBRA, Sh. Nagendra Singh and Sh. Vinoj P. Joseph without caring for their own safety, decided for a frontal and headlong advance straight in the line of fire. At the first step of advance, Sh. Nagendra Singh was hit and injured with a grenade splinter while Vinoj P. Joseph was pinned down with a hail of bullets which missed him. Despite this, they mutually signalled their determination to continue to advance and closed in 10-15 meters into the enemy den. A fierce gun battle took place between the Maoists and both the officers. This sudden and sprinted counter attack by the two commanders with a small team of 5 personnel not only saved the other men from injury and casualty but decisively unnerved the Maoists. After the firing stopped, a thorough search of the area was carried out in which one dead body with one AK-47 in his hands was found. The dead body was later identified to be of Koteshwar Rao @ Kishanji.

Shri Nagendra Singh and Shri Vinoj P. Joseph, Assistant Commandants of 207 CoBRA displayed extraordinary courage, inspiring leadership and great determination in carrying out the operation against the Maoists.

10. **WING COMMANDER VATSAL KUMAR SINGH (24223) FLYING (PILOT)**

(Effective date of the award: 19 December 2011)

On 19 December 2011, Wing Commander Vatsal Kumar Singh was detailed to fly as the captain of the No. 3 helicopter in a low level mission in the densely forested and heavily Naxal infested area of Chhattisgarh, to induct 120 COBRA commandos. The landing site was only a small clearing in the jungle with very tall trees around it and an undulating landing surface, which made the task even more difficult. While he was executing the third shuttle with seventeen persons on board, his helicopter was fired upon with automatic weapons from the left and below the aircraft. He immediately turned away from the probable direction of fire and gained height. After having ascertained that all aircraft parameters were normal, he decided to return to base. Subsequently, the aircraft started experiencing severe vibrations and the entire cargo compartment was filled with the smell of burnt explosive. The severe vibrations made it extremely challenging to make sure that the helicopter do not go out of control. Wg Cdr VK Singh kept his cool and controlled the helicopter with his superior flying skills. He reduced the speed and minimized the vibrations and kept a close vigil on the vital engine parameters and brought seventeen men and the machine to safety, in an extremely professional manner after flying for forty long and demanding minutes. Post flight inspection revealed nine bullet hits with multiple entry and exits in and around vital parts of the helicopter.

Wing Commander Vatsal Kumar Singh displayed exceptional courage, inspirational leadership and composure under adverse conditions.

11. **FLIGHT LIEUTENANT GUNADNYA RAMESH KHARCHE (29037) FLYING (PILOT)**

(Effective date of the award: 06 February 2012)

On 06 February 2012, Flight Lieutenant Gunadnya Ramesh Kharche was detailed to fly as captain for a low-level navigation sortie on an An-32 aircraft. While effecting the rejoin, when the undercarriage was lowered, the starboard and nose undercarriage was locked down. However, the port undercarriage failed to be lowered by the normal means. Even emergency means of lowering the port undercarriage failed to yield any results. Inspite of his limited experience as captain on type, Flt Lt Kharche maintained his composure in this grave emergency and decided to carry out an emergency landing on starboard main wheel and nose wheel. He assessed the grave situation and ensured that the entire available crew resources were marshaled in the most professional way to handle the emergency. Flt Lt Kharche thereafter carried out a safe emergency landing with only starboard main wheel and nose wheel. The aircraft landing was controlled in the most courageous way and the aircraft suffered minimal damage. Once the aircraft veered of the runway after touchdown, the action to evacuate the personnel on board were carried out most efficiently under his supervision.

Flight Lieutenant Gunadnya Ramesh Kharche displayed exceptional courage and extreme professionalism while handling such a grave emergency which not only saved the lives of personnel on board but also recovered the aircraft with minimal damage.

12. **IC-66537Y MAJOR VIJAYENDRA SINGH YADAV, BRIGADE OF THE GUARDS / 21ST BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES**

(Effective date of the award: 28 March 2012)

Based on intelligence cultivated and corroborated by officer's personal indulgence over three months to track down a dreaded terrorist of a terrorist group in North Kashmir, Major Vijayendra Singh Yadav personally led the operation, on 28 March 2012, to bust a terrorist hideout in a jungle located in Kupwara district of Jammu & Kashmir. While closing on the hideout, he drew heavy volume of automatic fire. With utter disregard to personal safety, the officer readjusted his position and crawled for 10 meters under heavy fire and neutralised the terrorist from a short range. Sensing danger to life of his buddy, who was under heavy fire from the second terrorist, he came charging out of cover and shot the terrorist dead at five meters range. By his tactfulness the officer facilitated killing of third terrorist by his team. The conspicuous gallantry displayed by Major Vijayendra Singh inspired his unit to eliminate two more terrorists holed up in the house located on the fringes of the Forest.

WS

Major Vijayendra Singh Yadav displayed emulatory commitment, missionary zeal and indomitable courage and gallantry in fighting the terrorists.

13. **15126119H HAVILDAR CHARANJIT SINGH, REGIMENT OF ARTILLERY/ 30TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES**

(Effective date of the award: 05 April 2012)

On 05 April 2012, during raid on a terrorist hideout in a forest of Kupwara district in Jammu & Kashmir, Havildar Charanjit Singh, as sentry silencing party commander, alongwith buddy approached the hideout with utmost stealth. Havildar Charanjit Singh observed two terrorists on sentry duty. With utter disregard to personal safety, he crawled up to within five metres of terrorist and shot him. The injured terrorist returned heavy automatic fire pinning down his buddy. Sensing danger to life of his buddy, Havildar Charanjit Singh jumped out of covered position and fired at injured terrorist. In face to face exchange of fire Havildar Charanjit Singh displaying unmatched and extreme boldness killed terrorist instantaneously. Immediately on coming under heavy fire from a second terrorist Havildar Charanjit Singh, maintaining calmness and presence of mind, physically charged at second terrorist killing him on the spot. Neutralization of terrorist sentries resulted in killing of five hardcore foreign terrorists during the raid.

Havildar Charanjit Singh displayed exceptional leadership, indomitable courage in fighting the terrorists.

14. **IC-58687A MAJOR AMIT MOHINDRA, 666 ARMY AVIATION SQUADRON (RECONNAISSANCE AND OBSERVATION)**

(Effective date of the award: 23 May 2012)

On 23 May 2012 at 1100 hrs Major Amit Mohindra took off as Captain for an air maintenance mission in support of ground troops deployed at a totally air maintained post at 18,000 feet in the frozen frontiers of Siachen Glacier in Leh district of Jammu & Kashmir. He successfully delivered the essential logistic supplies at the post while flying the Cheetah helicopter on total manual controls at the extremities of its flight envelope in the rarified atmosphere with no reserve of power.

The officer suffered severe injuries, due to accident of the helicopter, while returning back after successful mission accomplishment in support of the troops on ground enabling them to guard the national frontiers with resoluteness. In doing so, he displayed utmost bravery, boldless, courage, supreme valour, extreme professionalism and finest flying skills, with total disregard to personal

safety in the most difficult and inhospitable terrain, thus surpassing all limitations of man and machine and vagaries of weather.

Major Amit Mohindra displayed exemplary act of utmost bravery, extreme professionalism and finest flying skills, with total disregard to personal safety in the most difficult and inhospitable terrain.

15. **IC-61591H MAJOR CHANDRA SHEKHAR SINGH, 666 ARMY AVIATION SQUADRON (RECONNAISSANCE AND OBSERVATION) (POSTHUMOUS)**

(Effective date of the award: 23 May 2012)

On 23 May 2012 at 1100 hrs, Major Chandra Shekhar Singh took off for an air maintenance mission, in support of ground troops, deployed at a totally air maintained post at 18,000 feet in the frozen frontiers on Siachen Glacier of Leh district in Jammu & Kashmir. He successfully delivered the essential logistic supplies at the post while flying the helicopter on total manual controls, at the extremities of the flight envelope, in the rarefied atmosphere, with no reserve of power.

The officer met fatal casualty due to accident of the helicopter while returning back after successful mission accomplishment in support of the troops on ground enabling them to guard the national frontiers with resoluteness.

The officer made supreme sacrifice while on call beyond the nature of duty in support of troops deployed in the highest battle field in the world. In doing so, he displayed utmost bravery, indomitable courage, resolute valour, thorough professionalism and finest flying skills, with total disregard to personal safety in the most difficult and inhospitable terrain, thus surpassing all limitations of man and machine and vagaries of weather.

Major Chandra Shekhar Singh displayed, indomitable courage, thorough professionalism and finest flying skills, with total disregard to personal safety in the most difficult and inhospitable terrain and made the supreme sacrifice while on call beyond the nature of duty.

(Suresh Yadav)
OSD to the President

The 7th December 2012

No. 181-Pers/2012—The following amendment is made in this Secretariat Notification No. 29-Pers./74 dated 27 February, 1974 published in Part I Section 1 of the Gazette of India dated the 9 March, 1974 relating to the award of "Sena Medal/Army Medal" :—

At Serial No. 105

For :—JC-60559 Subedar Laxmi Datt Pathak, The Kumaon Regiment

Read :—JC-60569 Subedar Laxmi Datt Pathak, The Kumaon Regiment

SURESH YADAV
OSD to the President

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

INTER-STATE COUNCIL SECRETARIAT

New Delhi, the 7th December 2012

Subject :—Reconstitution of Inter-State Council.

No. 7/1/2012-ISC—In supersession of the Secretariat's Notification No. 7/1/2012-ISC dated 18th May, 2012, the Prime Minister has approved the following composition of the Inter-State Council in terms of Clause 2(d) of the Inter-State Council Order, 1990 :—

Chairman

Dr. Manmohan Singh — Prime Minister

Members

(i) Chief Ministers of all States.

(ii) Chief Ministers of Union Territories having a Legislative Assembly and Administrators of Union Territories not having Legislative Assembly.

(iii) Six Union Ministers

(a) Sh. Sharad Pawar — Minister of Agriculture & Minister of Food Processing Industries

(b) Sh. P. Chidambaram — Minister of Finance

(c) Sh. Sushilkumar Shinde — Minister of Home Affairs

(d) Sh. M. Veerappa Moily — Minister of Petroleum & Natural Gas

(e) Sh. Kamal Nath — Minister of Urban Development

(f) Sh. Pawan Kumar Bansal — Minister of Railways

Union Cabinet Ministers/Minister of State (Independent Charge) as Permanent Invitees :

(i) Sh. Ghulam Nabi Azad — Minister of Health & Family Welfare

(ii) Sh. S. Jaipal Reddy — Minister of Science & Technology

(iii) Sh.C. P. Joshi — Minister of Road Transport & Highways

(iv) Sh. M. K. Alagiri — Minister of Chemicals & Fertilizers

(v) Sh. Ashwani Kumar — Minister of Law & Justice

P. G. DHAR CHAKRABARTI
Adviser & Addl. Secy.

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT
(DEPARTMENT OF HIGHER EDUCATION)

New Delhi, the 15th November 2012

RESOLUTION

Subject :—Constitution of a National Monitoring Committee for Education of Scheduled Castes (SCs), Scheduled Tribes (STs) and Persons with Disabilities (PwDs).

No. 9-6/2012-SC/ST—In partial modification of this Ministry's Resolution of even number dated 21st June, 2012 the names of Dr. Shashi Tharoor and Shri Jitin Prasada, Ministers of State for Human Resource Development may be read as Members of the said National Monitoring Committee in place of Shri E. Ahamed and Dr. D. Purandeswari.

ORDER

Ordered that a copy of the resolution be communicated to the Chairman and other Members of the Committee.

Ordered also that the resolution be published in the Gazette of India for general information.

R. C. MEENA
Economic Adviser

प्रबन्धक, भारत सरकार मुद्रणालय, फरीदाबाद द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशन नियंत्रक, दिल्ली द्वारा प्रकाशित, 2012
PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 2012

MGIPF—[PART I—SEC. 1]—120 Copies.